हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

11 छात्रों ने रंगमंच की बारीकियों से ओतप्रोत शानदार ...

12 महिलाओं के उत्थान के बिना राष्ट्र का विकास ...

MK हॉस्पिटल भिवानी में आपका स्वागत है

डॉ. मानस रंजन मल्लिक

जनरल सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ

MBBS, MS (General Surgery), FMAS, FAIS, Fellowship (Gastro Surgery)

Fellowship in GI Surgery (Sir Ganga Ram Hospital, New Delhi)

पूर्व वरिष्ठ रेजिडेंट (AIIMS Bhubaneswar, Safdarjung Hospital Delhi)

8+ Years Of Experience

अब डॉ. मानस रंजन मल्लिक MK हॉस्पिटल भिवानी में अपनी विशेषज्ञ सेवाएं देंगे:

- ☑ आपातकालीन पेट संबंधी सर्जरी ☑ कोलोरेक्टल सर्जरी
- ☑ पैंक्रियास सर्जरी ☑ ब्रेस्ट और थायरॉइड सर्जरी
- ☑ लेप्रोस्कोपिक गॉल ब्लैडर सर्जरी ☑ अपेंडिक्स सर्जरी
- ☑ आंतों की सर्जरी ☑ लीवर से जुड़ी बीमारियां
- ☑ पाइल्स, फिशर से जुड़ी समस्याएं ☑ ओपीडी उपलब्ध

आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त OPD व इलाज उपलब्ध!

एम्बुलेंस/आपातकालीन सहायता के लिए संपर्क करें:

70 09 09 0924

MK Hospital

5th Mile Stone, Bhiwani - Delhi Road, Bhiwani, Haryana

TPA और कैशलेस सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

सम्मान समारोह और स्वास्थ्य जांच शिविर आज

भिवानी। गांव रिवाड़ी खेड़ा के सामुदायिक केंद्र में सम्मान एक प्रयास समिति की ओर से रविवार को सम्मान समारोह और स्वास्थ्य जांच शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सम्मान एक प्रयास समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार ने बताया कि रविवार सुबह नौ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक 14वां रक्तदान, फिजियोथेरेपी, महिला स्वास्थ्य जांच, नेत्र जांच, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर (ब्लड ग्रुप, एचबी, सुगर, पीएफटी टेस्ट, पीईएफआर टेस्ट आदि) जरूरतमंद को निःशुल्क दवाइयां वितरण कार्यक्रम होगा। इसी दौरान समाज में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन योगदान देने वाले महानुभावों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में वैश्य कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय गोयल मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ राजेश कुमार करेंगे।

वार्षिकोत्सव का आज किया जाएगा आयोजन

बवानीखेड़ा। श्री सनातन गोसेवा धाम समिति में हर वर्ष की भांति वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 9 मार्च रविवार को आयोजित होगा। कार्यक्रम डेरा बाबा रामरूप जी महाराज के महंत बाबा गुमानदास एवं बाबा सोमवारपुरी कुटियाधाम के महंत कैलाशगिरी महाराज के सानिध्य में होगा। जिसमें बतौर मुख्यातिथि उद्योगपति एवं समाजसेवी रतनलाल हवेलिया, समारोह अध्यक्ष विधायक कपूर वाल्मीकि होगें। इसमें उद्योगपति एवं समाजसेवी घनश्यामदास धारड़ा की गरिमामय उपस्थिति होगी। पूर्व आयुक्त दिव्यांगजन हरियाणा राजकुमार मक्कड़ अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

नियमित सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

मिड-डे मील कार्यकर्ताओं ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

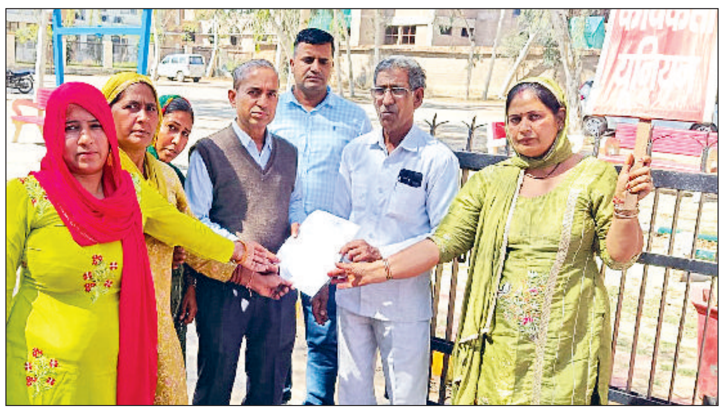

भिवानी। शहर में प्रदर्शन करती और लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपती मिड डे मील कार्यकर्ता।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी एवं स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और उपायुक्त की मार्फत मुख्यमंत्री के नाम मांगों का ज्ञापन सौंपा। इससे पहले मिड-डे मील कार्यकर्ता नेहरू पार्क में इकट्ठा हुईं और सभा करके रोष जताया।

समय पर नहीं मिलता मानदेय

यूनियन की राज्य स्तरीय नेता राजबाला ने कहा कि मिड-डे मील कार्यकर्ता निहायत गरीब, बेसहारा एवं अधिकतर विधवा महिलाएं हैं। सरकारी स्कीम के तहत सरकारी स्कूलों में सेवाएं प्रदान करने वाली रसोइया-सह-सहायकों को बेहद कड़ी मेहनत करने पर केवल 7000 रुपये प्रति माह मानदेय मिलता है, वह भी नियमित रूप से समय पर नहीं मिलता है।

इसी आजीविका पर निर्भर

यूनियन की राज्य स्तरीय नेता राजबाला ने कहा कि मिड-डे मील कार्यकर्ता इसी आजीविका पर निर्भर हैं। ज्यादातर के पास आय का अन्य कोई साधन नहीं है। इन्हें वर्ष में 12 की बजाय 10 माह का ही मानदेय मिलता है, जबकि अन्य कर्मचारियों को 12 महीने का वेतन दिया जाता है। मिड-डे मील कार्यकर्ताओं के गर्मी व सर्दी की छुट्टियों के पैसे काट लिये जाते हैं, जिसकारण रसोइया-सह-सहायकों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। बच्चों की स्कूल-कॉलेज की फीस, बीमारी में इलाज, बिजली बिल और घर के अन्य खर्चे चलाने काफी मुश्किलें होती हैं। मिड-डे मील कर्मियों के प्रति सरकार ने घोर संवेदनहीन और उदासीन रवैया अपनाया हुआ है, इतनी कम मानदेय राशि में बढ़ती महंगाई में घर का गुजारा होना बहुत ही मुश्किल है। सरकार 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों व सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को लागू नहीं कर रही है, जिनके मुताबिक न्यूनतम वेतन कम से कम 26000 रुपये महीना होना चाहिए और स्कीम वर्करों को कर्मचारी/श्रमिक का दर्जा दिया जाना चाहिए। यूनियन की जिला प्रधान मीरा देवी, केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया व प्रधान धर्मवीर सिंह ने कहा कि मिड-डे मील कर्मी हाजिरी रजिस्टर, मासिक बंधे वेतन, महंगाई के हिसाब से सालाना बढ़ोतरी, जीवन बीमा, पीएफ, ग्रेच्युटी, पेन्शन, सवेतन अवकाश, ईएसआई, बीमार पड़ने पर इलाज आदि सामाजिक सुरक्षा उपायों व हितलाभों से भी वंचित हैं। प्रदर्शन में यूनियन की जिला प्रधान मीरा देवी, चरखी दादरी जिला सचिव बिमला, कांता, संगीता, मनोज, ओमपति आदि मिड डे मील कार्यकर्ता मौजूद रही।

10 माह का ही मिलता है मानदेय, अन्य कर्मचारियों को 12 महीने का मिलता है वेतन

सरकार 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को लागू नहीं कर रही

ये रही मांगें

मिड-डे मील कुक-कम-हैल्परों को नियमित सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, मिड-डे मील कर्मियों को मानदेय हर माह की 7 तारीख तक दिया जाए। साल में 10 माह की बजाय पूरे 12 महीने का मानदेय दिया जाए, स्कूल समायोजन पर कुक-कम-हैल्परों का भी समायोजन किया जाए, ड्रेस की राशि 2000 रुपये दी जाये और ड्रेस के रुपयों का भुगतान शीघ्र किया जाये, कुक-कम-हैल्परों की रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष की जाए, रिटायरमेट पर 5 लाख रुपये की एकमुश्त आर्थिक राशि प्रदान की जाये, कुक-कम-हैल्पर से डयूटी से बाहर के काम न लिये जाए एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए, 15 बच्चों पर एक कुक-कम-हैल्पर लगाई जाए व सालाना 20 दिन का अवकाश लागू किया जाने आदि मांगें उठाई।

भिवानी। नवनियुक्त चेयरमैन का स्वागत करते हुए।

नवनियुक्त चेयरमैन पवन शर्मा को किया सम्मानित

भिवानी। हरियाणा में चरखी दादरी के डॉ. पवन कुमार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन नियुक्त किए गए है तथा जींद के पीजीटी अध्यापक सतीश कुमार को वाइस चेयरमैन की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. पवन कुमार के अध्यक्ष और सतीश कुमार जी के उपाध्यक्ष पदभार ग्रहण अवसर करने के अवसर पर उनका सलाह(स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिशएशन) ने स्वागत किया । सलाह के उपाध्यक्ष समरवीर सिंह ने बताया कि चेयरमैन व वाइस चेयरमैन की नियुक्ति के बाद शिक्षा बोर्ड के रूके हुए कार्यो को गति मिलेगी।

गुरुग्राम से भिवानी आ रहे युवक से 1.950 किलोग्राम गांजा बरामद

भिवानी। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने गुरुग्राम से भिवानी मादक पदार्थ लेकर आ रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक किलो 950 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के उपनिरक्षक सुभाष अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी इलाका में मौजूद थे। जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि व्यक्ति अपनी गाड़ी में मादक पदार्थ रखकर गुरुग्राम से भिवानी लेकर आ रहा है पुलिस टीम के द्वारा हुन्नामल प्याऊ भिवानी पर नाकाबंदी करके सूचना के आधार पर एक गाड़ी चालक को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गोविंद पुत्र दिलबाग निवासी हालुवास, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स ने मांगों को लेकर सौंपा मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिलेभर की आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स ने उपायुक्त को ज्ञापन दिया, जिसमें आंगनवाड़ी वर्कर्स की सबसे बड़ी समस्या पोषण ट्रैकर पर फेस कैप्चर और आरटीआई के बारे में अवगत करवाया। प्रदर्शन का संचालन राजबाला निनान व अध्यक्षता राजबाला शर्मा ने की।

राजबाला शर्मा ने कहा कि आए दिन सरकार वर्कर्स का शोषण कर रही है। वर्कर्स को फेस कैप्चर करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है,जिससे उन पर मानसिक दबाव बन रहा है। विभाग ने जो मोबाइल दिया था, वह अच्छे तरीके से काम नहीं कर रहा और फेस कैप्चर में ओटीपी इनवेलिड, फेस

कैप्चर न होना, ओटीपी न आना आदि बहुत समस्याओं का सामना कर रहा करना पड़ रहा है। प्रधान राजबाला निनान ने बताया कि हेल्पर द्वारा बनाए जाने वाले लाभार्थियों का राशन एक दिन में तीन प्रकार का बनाया जाता है, जिससे हेल्पर आंगनवाड़ी में जो बच्चे आते हैं, उनको संभालने में दिक्कत होती है। प्रदर्शन में प्रधान राजबाला निनान, उपप्रधान सुमन, राजबाला शर्मा, शारदा, दर्शन, किरण, पूनम आदि मौजद रही।

खनन विभाग की टीम ने किया डाडम की पहाड़ियों का निरीक्षण

तोशाम। उपायुक्त महावीर कौशिक के दिशानिर्देश पर खनन विभाग की टीम ने डाडम की पहाड़ियों का किया निरीक्षण। टीम ने इस दौरान खदानों को जाने वाले रास्तों का दौरा कर वर्तमान स्थिति जानी। मालूम हो कि शुक्रवार को एसडीएम डॉ अशवीर नैन ने भी डाडम की पहाड़ियों का औचक निरीक्षण कर खनन विभाग के अधिकारियों को लगातार चैकिंग के निर्देश दिए थे। इसके बाद खनन विभाग के अधिकारियों ने पहाड़ियों का निरीक्षण किया। टीम ने डाडम की पहाड़ियों में जाने वाले रास्तों का निरीक्षण कर सुनिश्चित किया कि किसी भी तरह से अवैध माइनिंग न हो। खनन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि डाडम पहाड़ी इलाके की निरंतर निगरानी टीमों द्वारा की जा रही है।

■ डाडम की पहाड़ियों में अवैध माइनिंग नहीं हो रही है

खनन अधिकारी पंकज ने बताया कि डाडम की पहाड़ियों में किसी तरह से भी कोई अवैध माइनिंग नहीं हो रही है। टीम को निरीक्षण के दौरान पहाड़ी क्षेत्र में किसी भी तरह के वाहन के निशान नहीं पाए गए।

पांच युवाओं ने रक्तदान कर बचाई मरीजों की जान

■ लोहानी में बाबा योगीनाथ अस्पताल में एनीमिया से ग्रस्त रोगी को थी खून की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रक्तदान महादान होता है, रक्त की महता केवल वही समझ सकता है, जिसका कोई अपना रक्त की कमी से जूझा हो। रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता, ये जानकारी देते हुए भिवानी के शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि लोहानी में बाबा योगीनाथ अस्पताल एक एनीमिया ग्रस्त रोगी के लिए रेयर ब्लड ग्रुप ऐबी नेगेटिव की दो यूनिट की जरूरत पड़ी तो

भिवानी। रक्तदाताओं को सम्मानित करते रक्तवीर राजेश डूडेजा।

भिवानी व अन्य जिलों में ब्लड न मिलने पर परिजनों ने राजेश डुडेजा से सम्पर्क किया।

उन्होंने तुरंत ही मेसेज व्हाट्सएप ग्रुप में डाला तो केवल दो ही रक्तदाता अनिल राय व गांव ढाणीमाहू से दीपक कुमार रक्तदान के लिए उपलब्ध हुए। अनिल राय व दीपक ने रक्तदान कर ब्लड की पूर्ति की और एक अन्य अस्पताल में दाखिल डायलिसिस मरीज को बबलू, संजय कुमार, कपिल ने रक्तदान कर ब्लड की पूर्ति की। रक्तवीर राजेश डुडेजा ने कहा कि आज भी इंसानियत जिंदा है और हमारे रक्तदाताओं अनिल राय व दीपक कुमार बबलू, संजय, कपिल ने मरीज की जिंदगी बचाने का सराहनीय कार्य किया है। युवाओं को हमेशा रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

डुडेजा बताया कि हमारे रक्त से किसी की जान बच जाए, इससे बड़ा धर्म और क्या हो सकता है। भविष्य में भी किसी को रक्त की जरूरत होती है तो हम उसके लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने से हाई ब्लड प्रेशर कम होता है। इस अवसर पर फ्रीडम ब्लड बैंक के डा. मनदीप पंघाल, लेब टेक्नीशियन संदीप व अमरजीत ने रक्तदाताओं का आभार जताया।

नकल पर पूरी तरह डाली जाएगी नकेल : मुनीष नागपाल

परीक्षा के शुरू होने की फोटो उड़नदस्ते ग्रुप में शेयर करेंगे

■ प्रत्येक उड़नदस्ता छह परीक्षा केंद्रों पर रखेगा पैनी नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गोहाना के शामड़ी में घर में परीक्षा केंद्र की सीटिंग प्लान व कुछ बच्चों के रोलनम्बर व कोड एक नोटबुक पर मिलने के बाद शिक्षा बोर्ड प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है। शिक्षा बोर्ड प्रशासन ने प्रत्येक उड़न दस्ते के जिम्मे छह परीक्षा केंद्र लगाए है।

वे उन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने से पहले ही पहुंच जाएंगे और पेपर शुरू करवाने के बाद ही अगले परीक्षा केंद्र पर पहुंचेंगे। इस दौरान उनको जिस परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू करवाई है। उस परीक्षा केंद्र का फोटो बोर्ड के पास भेजने होंगे। साथ ही उड़न दस्ते में कितने कर्मचारी व अधिकारी है उन सभी के ग्रुप फोटो भेजने होगे। शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मुनीष नागपाल ने बताया कि प्रदेश में 1434 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। जिन पर शांतिपूर्वक व नकल रहित परीक्षा का आयोजन करवाए जाने के लिए 226 उड़नदस्तों का गठन किया गया है। एक उड़नदस्ते के जिम्मे छह परीक्षा केंद्र लगाए गए है। साथ ही

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते नवनियुक्त चेयरमैन व सचिव।

प्रत्येक जिला स्तर पर एक एक नोडल अधिकारी भी तैनात किया गया है। जो कि पूरे दिन परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने वाले उड़नदस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखेंगे।

शामड़ी के परीक्षा केंद्र पर कार्रवाई के बाद यूएमसी पर लगाम

शिक्षा बोर्ड के सचिव ने बताया कि गोहाना के शामड़ी के एक मकान में बच्चों की सीटिंग प्लान, कुछ बच्चों के रोलनम्बर तथा उनके पेपर कोड एक नोटबुक पर लिखे मिलने के बाद बोर्ड प्रशासन पूरी तरह से हरकत में आ गया। वहां पर पकड़े गए लोगों के खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। साथ ही इस मामले की गहनता से जांच करवाई जा रही है। ताकि यह पता चल सके कि इस मामले में फाल्ट किसका रहा। उक्त परीक्षा केंद्र पर तैनात पूरे स्टाफ को रीलिव कर दिया। स्टाफ के बारे में शिक्षा विभाग को कार्रवाई के बारे में लिखा गया है।

पुराने पेपर को नया बताकर कर रहे है गुमराह

सचिव मुनीष नागपाल ने बताया कि पहली बार परीक्षा का फोबिया देखने को मिल रहा है। विगत में शरारती तत्वों द्वारा पेपर आऊट की अफवाह फलाई गई और जांच की गई तो वह पेपर वर्ष 2023 की परीक्षा का पुराना पेपर निकला। इसके अलावा शरारती तत्व किताबों के पीछे हल करने के लिए एक्सरसाइज दी जाती है उसको पेपर बताकर बच्चों को गुमराह कर रहे है। उन्होंने परीक्षार्थियों से आहवान किया वे इस तरह की अफवाहों से बचे और परीक्षा के लिए जी तोड़ मेहनत करें।

लोक अदालत में रखे 9047 में से 6674 केसों का निपटान

चरखी दादरी। हरियाणा राज्य विधिक सेवाए प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेश कुमार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। लोक अदालत में 6674 केसों का निपटान किया। प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम संजीव काजला ने बताया कि जिला मुख्यालय के न्यायिक परिसर में इस वर्ष की पहली लोक अदालत का आयोजन किया। सीजेएम संजीव काजला ने बताया कि लोक अदालत वैकल्पिक विवाद समाधान की एक प्रणाली है, जो बदलते समय के साथ एक प्रणाली के रूप में स्थापित हुई है। लोक अदालतें न केवल लंबित विवाद या पार्टियों के बीच उत्पन्न होने वाले विवादों को सुलझाती हैं, बल्कि ये सामाजिक सद्भाव को भी सुनिश्चित करती है, क्योंकि विवाद करने वाले पक्ष अपनी पूर्ण संतुष्टि के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाते हैं।

लोहारू के न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

लोहारू। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम पवन कुमार व उपमंडल कानूनी सेवा समिति लोहारू के चेयरमैन एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी देवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में लोहारू के न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सीजे कम जेएमआईसी हिमांशु जांगड़ा ने लोक अदालत की अध्यक्षता की और कई लंबित मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में समाज में भाईचारे की भावना बढ़ती है। लोक अदालतों के फैसले के खिलाफ कोई भी अपील किसी भी अदालत में नहीं की जा सकती। इस दौरान अनेक अधिवक्ता भी उपस्थित रहे।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

निवेश मंत्रा
शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

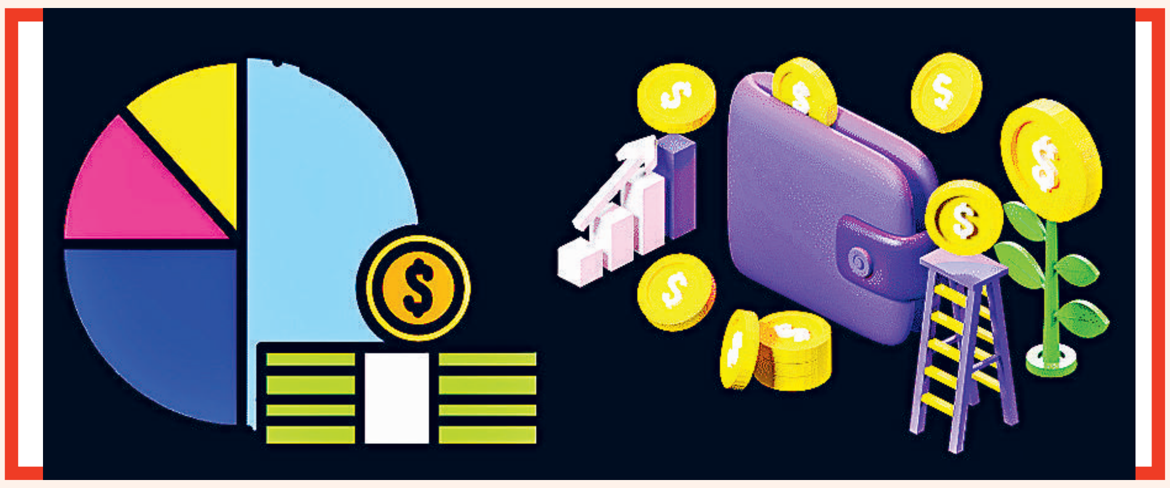

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नीव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

सलाह
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

बचत
विनोद कौशिक

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्धेश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्धेश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ज़रूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

महिलाओं ने दी अपनी परेशानियों की जानकारी

चरखी दादरी। जिले में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की बिक्री के लिए उचित स्थानों का सर्वे करवाएं, ताकि इन स्थानों पर ये महिलाएं अपने उत्पाद अच्छी तरह बेच सके, ये बात सांसद धर्मबीर सिंह ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर उन द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों और उनकी बिक्री के बारे में पूछा। महिलाओं ने अपनी परेशानियों की जानकारी दी।

एचआईवी पीड़ित को दिलवाई जाएंगी सुविधाएं

भिवानी। टीबी कॉन्फ्रेंस हाल में एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी की तरफ से एचआईवी से ग्रस्त लोगों के साथ सेमिनार का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य व उपसिविल सर्जन डॉ. सुमन विश्वकर्मा ने की। डॉ. सुमन ने सभी को हेल्थ, टीबी, खान पान व दवाइयों की जानकारी दी। डॉ. शांडिल्य ने एचआईवी से पीड़ित सभी को सुचारु रूप से सभी सुविधा दिलवाने का भरोसा जताया व जल्द सभी की पेंशन सम्मान राशि दिलवाने का भरोसा दिलाया। नेटवर्क के प्रधान सुरेन्द कादियान ने बताया कि नेटवर्क ऑफ पॉजिटिव पीपल संगठन हमेशा आपकी सहायता के लिए हर समस्या से निजात दिलाने में आपके साथ खड़ा रहेगा।

महिला दिवस पर हुआ कार्यक्रम आयोजित

भिवानी। शनिवार को दी भिवानी जिला सहकारी श्रम एवम निर्माण प्रसंघ लि. भिवानी में जिला प्रसंघ भिवानी व चरखी दादरी की महिला निदेशकों व अन्य महिला समिति सदस्यों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में मधु बाला, ऑडिट इंस्पेक्टर ने महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। उन्होंने महिलाओं को सहकारिता के माध्यम से सशक्त बनाने बारे सरकार की योजनाओं व नीतियों को बताया व महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने बारे अपने विचार रखे।

वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में मनाया महिला दिवस

भिवानी। वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन बड़े हर्ष और उल्लास के साथ किया गया । कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल प्राचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ ने समस्त महिला शिक्षकों को बैज देकर उन्हें सम्मानित किया। प्राचार्य ने अपने भाषण में महिलाओं की महत्ता को बताते हुए समाज की आधारशिला बताया। प्रधानाचार्य ने समस्त शिक्षक गण के उज्जवल भविष्य की कामना की।

महिला महाविद्यालय में होली उत्सव का आयोजन

तोशाम। शनिवार को चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में कार्यकारी प्राचार्य जयपाल शास्त्री के तत्वावधान में होली उत्सव का आयोजन करवाया गया। जिसके अंतर्गत छात्राओं ने होली के लोक गीत गाए तथा नृत्य करके उत्सव की खुशी जाहिर की तथा आपस में एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य जयपाल शास्त्री ने शुभकामनाएं देते हुए छात्राओं को आगामी परीक्षाओ पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने छात्राओं को रंग लगाते समय सावधानी बरतने तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक होने को प्रेरित किया।

कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएंगी : जज निहारिका

भिवानी। भिवानी के बेटे-बेटियों ने खेलों के क्षेत्र में देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। वही अब भिवानी के बेटे-बेटियां खेल के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना परचम लहरा रहे है तथा जिला व प्रदेश का नाम देश भर में चमकाने का काम कर रहे है। निहारिका दीवान अपने पहले ही प्रयास में दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विस की परीक्षा पास की।

सात दिवसीय कार्यशाला संपन्न

छात्रों ने रंगमंच की बारीकियों से ओतप्रोत शानदार प्रस्तुति दी

जल्द ही विवि कला को बढ़ावा देने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ विज़ूअल एंड प्रफोर्मिंग आर्ट खोलने जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। कार्यशाला में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

रंगमंच हमारे जीवन का आधार है। आजीवन हम सबको एक तरह से अभिनय ही करना पड़ता है। अभिनय करने की इसी विद्या को जीवन कहते है। यह कहना है चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी का। वे आज युवा कल्याण विभाग द्वारा पिछले एक सप्ताह से की जा रही थियेटर वर्कशॉप के समापन समारोह पर विद्यार्थियों को संबोधित कर रही थी। इस कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का सदैव प्रयास रहता है कि उनके विद्यार्थी शिक्षा के साथ साथ कला साहित्य खेल और रंगमंच के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय कला को बढावा देने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ विज़ूअल एंड प्रफोर्मिंग आर्ट खोलने जा रहा है। जिसमें कला से संबंधित विद्याओं पर विद्यार्थियों को अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा पारंगत किया जाएगा।

एक सप्ताह तक चली कार्यशाला में विद्यार्थियों ने क्या कुछ सीखा इस बारे में मंच से विद्यार्थियों ने रंगमंच की बारिकियों से ओतप्रोत अपनी एक प्रस्तुति भी दी। जिससे भाव विभोर होकर कुलपति ने विद्यार्थियों की पीठ थपथपाई और कार्यशाला को प्रशिक्षण देने आए नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के ट्रेनर प्रीतपाल सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश के बहुत बड़े अभिनय संस्थान से पास आउट एक कलाकार ने हमारे विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान सभी विद्यार्थियों को कार्यशाला में शामिल होने के लिए युवा कल्याण विभाग की ओर से सर्टिफिकेट दिया गया और कार्यशाला के ट्रेनर को विभाग की ओर से स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में बतौर मेहमान पधारी प्रमुख शिक्षाविद्व डा. मुदिता वर्मा को भी विभाग की ओर से सम्मान पट्टिका देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में युवा कल्याण विभाग की निदेशिका डा. सोनल शेखावत ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद किया और उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी जाएगी उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वाहन किया जाएगा।

कुलसचिव डा. भावना शर्मा ने दी बधाई

कुलसचिव डा. भावना शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आश्वासन दिया है कि भविष्य में भी उनके प्रशिक्षण के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहेगा। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर सुरेश मलिक ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास के लिए समय समय पर देश भर से प्रशिक्षकों को बुलवाते रहते है और उनकी कोशिश रहती है कि हमेशा विद्यार्थियों के लिए किसी कार्यशाला अथवा कार्यक्रम के तहत उनकी प्रतिभा में निखार लाया जाए।

भक्तों ने फाल्गुन उत्सव मनाया

- एक श्याम सांवरिया के नाम का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। रघुधाम भूतों वाला मंदिर में फाल्गुन उत्सव में उपस्थित श्रद्धालु।

नया बाजार स्थित रघुधाम भूतोंवाला मंदिर में गत वर्षों की भांति फाल्गुन माह में दो दिवसीय श्रीश्याम रंगीला फाल्गुन उत्सव का आयोजन किया। उत्सव में दिल्ली से पधारे संजय भूत ने बताया कि कुल देवता बाबा कन्हीराम की पुण्य स्मृति में फाल्गुन माह की नवमी को लगभग 37वर्षों से कार्यक्रम मनाया जाता है। मीडिया प्रभारी संदीप भूत ने बताया कि नवमी को श्रीश्याम प्रभु की भजन संध्या व दशमी को श्रद्धेय बाबा कनहीराम की स्मृति में 51 ब्राह्मणों को भोज करवाकर भंडारा लगाया जाता है। भजन संध्या में भजन गायिका सुमन स्वामी वृंदावन ने ऐसी मस्ती कहां मिलेगी सुन लो श्रीश्याम के प्यारों भजनों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुमार मुकेश ने होली खेलें रघुवीरा अवध में होली खेलें रघुवीरा होली भजनों व होली धमाल के साथ सभी भक्तों ने रंग बिरंगे फूलों के साथ जमकर फाल्गुन उत्सव मनाया।

महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं: कमल

- महिलाएं भी अधिक से अधिक पौधें लगाने का लें संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

आधुनिक युग में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। देश व समाज के विकास में महिलाओं का अहम योगदान है, ये बात युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने गांव लेघां भानान में विश्व महिला दिवस पर पौधरोपण करते हुए कही।

इस मौके पर युवा कल्याण संगठन के सभी सदस्यों ने एक एक पौधा लगाकर महिला सम्मान एवं सशक्तिकरण का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि इस दिन से वे भी अधिक से अधिक पौधें लगाने का संकल्प लें तथा पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी अपनी अहम भूमिका अदा करें। इस अवसर पर जितेन्द्र भोलू, मुकेश शर्मा ढाणीमाहू आदि मौजूद रहे।

एडमिशन कम स्कॉलरशिप परीक्षा 16 मार्च को होगी

चरखी दादरी। वेयर हाउस रोड एमसी कालोनी स्थित विजन अकादमी में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों की प्रतिभा को परखने व प्रोत्साहित करने के लिए एडमिशन कम स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन 16 मार्च को किया जाएगा।

संस्था निदेशक अशोक सांगवान ने बताया कि संस्था का एकमात्र लक्ष्य है कि यहां से अपनी शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को अधिक से अधिक काबिल बनाया जाए, जिससे कि वो आगे चलकर विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य निर्माण कर सकें। निदेशक ने बताया कि पिछले साल भी विद्यार्थियों ने एनडीए, नीट व आईआईटी में बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त: प्रो.गुप्ता

- बीएलजेएस महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित हुई प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

तोशाम। महिला दिवस पर मेंहदी लगाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

बनवारीलाल जिन्दल सूईवाला महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रंगोली, पोस्टर मेकिंग, महंदी एवं बिना अग्नि खाना तैयार करना आदि पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के जूलोजी विभाग से प्रोफेसर डॉ. ललिता गुप्ता मुख्य अतिथि ने शिरकत की। जबकि डॉ. गीतिका शर्मा ने मंच संचालन किया। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. शैलजा शर्मा ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कब क्यों मनाया जाता है, विषय पर विस्तार से जानकारी दी। प्रोफेसर ललिता गुप्ता ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, खेल, राजनीति,समाज हर क्षेत्र में सशक्त है। उन्होंने कहा कि महिला को अपनी एक पहचान न बनाकर समाज में अपनी स्थिति को मजबूत बनाते हुए भविष्य में आगे बढ़ते रहना चाहिए। आज भी महिलाओं के जीवन में कुछ बाधाएं अवश्य है। लेकिन हर स्थिति का सामना कर आगे बढ़े।

पोषण ट्रेकर व लिंगानुपात में भिवानी तृतीय

- महिला दिवस सम्मान समारोह में उपायुक्त महावीर कौशिक को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

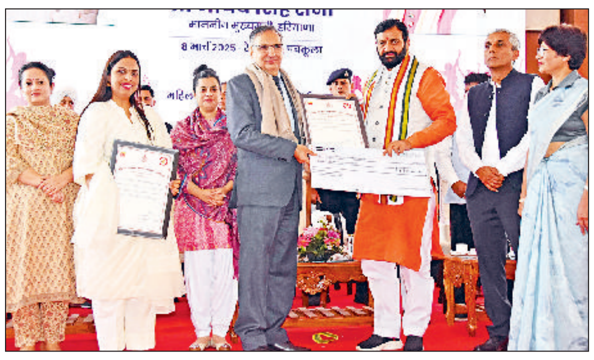

भिवानी। उपायुक्त को सम्मानित करते सीएम। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में आयोजित अंताराष्ट्रीय महिला दिवस सम्मान समारोह में भिवानी के उपायुक्त महावीर कौशिक को सम्मानित किया। पोषण ट्रेकर व लिगांनुपात आदि कार्य में हरियाणा में जिला भिवानी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है । महिला एवं बाल विकास विभाग को न्यूट्रेशन अवार्ड 2024-25 मिला है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व महिलाएं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रुति चौधरी ने उपायुक्त महावीर कौशिक को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

उल्लेखनीय है कि पोषण ट्रेकर व लिंगानुपात आदि में सराहनीय कार्य करने पर प्रदेशभर में जिला भिवानी को तीसरा स्थान मिला है। महिला एवं बाल विकास विभाग को न्यूट्रेशन अवार्ड 2024-25 मिला है। पंचकूला में आयोजित शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्री श्रुति चौधरी ने भिवानी के उपायुक्त महावीर कौशिक को सम्मानित किया है।

पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का ऑनलाइ किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला में नई बनाई गई पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का ऑनलाईन माध्यम से उद्घाटन भी किया है। विभाग द्वारा पोषण ट्रैकर पर जनवरी से नवंबर 2024 में होम विजिट सीबीई वीएचएसएनडी और आधार वेरिफिकेशन 95 प्रतिशत रहा है। इस दौरान सेम बच्चे भी 850 से घटकर 366, जोकि 57 प्रतिशत कम हुआ है। अंडर वेट बच्चे 762 थे, जो अब घटकर 518 हो गए है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सराहनीय कार्य करने पर न्यूट्रेशन अवार्ड 2024-25 मिला है। सभी लाभार्थियों का डाटा पोषण ट्रैकर पर अपडेट किया गया है ताकि सभी लाभार्थियों में पोषण के स्तर की पहचान पोषण ट्रैकर के माध्यम से हो सकें एवं सभी को पोषाहार मिल सकें।

प्रतियोगिता में कार्तिकेय प्रथम, पूजा द्वितीय

- महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में विस्तृत व्याख्यान व विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी।

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को महिला प्रकोष्ठ व कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में विस्तृत व्याख्यान तथा गणित विभाग में स्लोग्न, लेखन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय प्रैस प्रभारी डा. जगवीर सिंह मान ने बताया कि विस्तृत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन महिला प्रकोष्ठ प्रभारी मंजू बाला के निर्देशन में किया गया। जिसमें बतौर मुख्य वक्ता चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका डा. दीपक कुमारी ने छात्राओं को अपने अधिकारों व कर्तव्यों से अवगत कराया। प्रैस प्रभारी डा. जगबीर सिंह मान ने कहा कि बच्चों को गणित विषय से संबंधित विषयों पर पोस्टर एवं स्लोग्न बनाए। स्लोग्न, लेखन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में मुख्यअतिथि के तौर पर प्राचार्य डा. रणधीर सिंह रोहिल्ला ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी तथा कहा कि गणित का ज्ञान हर क्षेत्र में जरूरी है और इसमें रोजगार की बहुत अधिक संभावनाएं है। प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डा. शालिनी सिंघल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में करीबन 40 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

छात्राओं को दी बधाई

महाविद्यालय प्राचार्य डा. रणधीर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जहां नारी को सम्मान मिलेगा, वही समाज आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम के अंत में डा. प्रवेश कुमारी ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डा. कविता शर्मा, डा. प्रियंका व डा. विनय ने निभाई। शालिनी ने आभार जताया तथा डा. कुलवीर सिंह ने आए हुए अतिथियों का आभार जताया। प्रैस प्रभारी डा. जगबीर मान ने महिला दिवस पर छात्रों को बधाई दी। इस अवसर पर डा. अजय, डा. विकास, डा. शेखर, डा. सोहन, डा. सोनिया, डा. दीपशिखा, संगीता, डा. योगमाया व सरिता सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

मदद करने की शपथ दिलाई

- प्राथमिक सहायता का ज्ञान बचा सकता है जरूरतमंद का जीवन : सचिव प्रदीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देते फर्स्ट एड प्रवक्ता रामचंद्र। फोटो : हरिभूमि

सेंट जॉन एंबुलेंस भारतीय रैडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निर्देशानुसार जिला रैडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त के मार्गदर्शन में तोशाम स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय बेसिक प्राथमिक सहायता एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान फर्स्ट एड प्रवक्ता रामचंद्र ने विद्यार्थियों को जीवनदायिनी विधि सीपीआर, रिकवरी पोजिशन, हड्डियों के टूटने, उपचार, सांप काटने पर सहायता, जानवरों के काटने पर सहायता, घायल व्यक्ति को हॉस्पिटल तक ले जाने की विधियों के बारे अवगत करवाया तथा उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विद्यार्थियों को सेंट जॉन एंबुलैंस के नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए आपदा व बीमारी से ग्रस्त लोगों की मदद करेंगे। न्याय व संयम और सहनशीलता से बुद्धिमत्तापूर्वक कार्य करेंगे व मानव कल्याण और दीन दुनियों के सुख के लिए जन-जन को प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य राजेंद्र सिंह नेजिला रैडक्रॉस सोसायटी के जागरूकता अभियान की सराहना की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर यूथ रेडक्रॉस कॉउंसलर ज्योति बोड़वाल, मोनिका, सुशील, रामबीर, अनिल आदि शामिल रही।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को न्याय देने के लिए थीम 2025 का आगाज

भिवानी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार के दौरान कोविड़-19 के संकट के दौरान सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली सावित्री यादव को अंग वस्त्र पटका, स्मृति चिन्ह,पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक पौधा देकर सशक्त नारी गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने हजारों लोगों को वैक्सीनेशन, राशन वितरण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति अभियान और स्वच्छता अभियान जैसी सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूक किया। मुख्य वक्ता सावित्री ने कहा कि महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक एवं राष्ट्रपति अवार्डी अशोक कुमार भारद्वाज ने महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और नारी के सम्मान पर जोर दिया।

आस्था स्कूल के दिव्यांग बच्चे जीत चुके हैं कई मेडल : शर्मा

स्थापना दिवस पर बच्चों ने किया सामूहिक भोजन

- व्यक्ति की हर सफलता के पीछे एक नारी की ताकत होती : एडवोकेट सुमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। आस्था स्पेशल स्कूल के स्थापना दिवस व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सामूहिक भोजन करते दिव्यांगजन। फोटो : हरिभूमि

दिव्यांग बच्चों के बीच अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं आस्था स्पेशल स्कूल की स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक विजय शर्मा ने उपस्थित होकर दिव्यांग बच्चों के बीच मिठाइयां एवं अपनी खुशियां बांटी। उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं आस्था स्पेशल स्कूल की स्थापना दिवस मना रहे हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ये सब दिव्यांग बच्चों की ऊर्जा का परिणाम है कि भिवानी की धरा पर लगाया गया छोटा सा पौधा आज वटवृक्ष बनकर दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने की छाया मुहैया करवा रहा हैं। उन्होंने कहा कि ये दिव्यांग बच्चे ही मेरी विशेष ऊर्जा है।

बच्चों को प्यार एवं सहानुभूति की जरूरत

उन्होंने कहा कि आज ही के दिन वर्ष 2016 में आस्था स्पेशल स्कूल की स्थापना की थी, जो आज भिवानी की धरातल से लेकर देश और प्रदेश में अपनी अमिट छवि के साथ दिव्यांग बच्चों को समाज के मुख्य धारा में लाने का कार्य कर रहा हैं। आस्था स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चे विदेशों में भी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर मेडल जीत चुके हैं। संस्था की प्राचार्य एवं संचालिका एडवोकेट सुमन शर्मा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि हम इन बच्चों के साथ प्यार एवं सहानुभूति की गतिविधि निभाते हुए मां-बाप एवं शिक्षक की भूमिका अदाकर एक नई ऊर्जा का प्रसारण करने का काम कर रहे हैं, इसके लिए हमें गर्व है। इस क्षेत्र को बढ़ाने के लिए हमें समाज से अपेक्षा हैं कि आप हमारे हौंसलों का प्रतीक बने। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एडवोकेट सुमन शर्मा ने बताया कि 2025 को वुमन डे की थीम कार्रवाई में तेजी लाना या कार्रवाई को त्वरित करना' रखी गई है।

महिला दिवस: शास्त्र एवं शस्त्र दोनों में निपुणता महिला सशक्तिकरण का भविष्य सूत्र : डॉ. रश्मि

वैश्य कॉलेज में महिला सशक्तिकरण विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

महिलाओं के उत्थान के बिना राष्ट्र का विकास संभव नहीं: डॉ. रश्मि

आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही : प्राचार्य डॉ. संजय गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

महिलाओं का विकास देश का विकास है, महिलाओं के विकास के बिना राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। महिलाओं की साक्षरता, जागरूकता और उनकी उन्नति न केवल उनकी गृहस्थी के विकास में सहायक साबित होती है, बल्कि उनकी जागरूकता एवं साक्षरता देश के विकास में भी अहम भूमिका निभाती है, ये बात अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वैश्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में महिला सशक्तिकरण विषय पर आयोजित विस्तार व्याख्यान में मुख्यतिथि 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेश दहिया ने कही। व्याख्यान का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके किया। व्याख्यान में अतिथियों का सम्मान करने के पश्चात अपने स्वागतीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कहा कि आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने नारी शक्ति को समर्पित महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ एवं एनसीसी इकाई को बधाई दी। विस्तार व्याख्यान के शुभारंभ पर मुख्यतिथि के रूप में 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेश दहिया, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता, वैश्य महाविद्यालय प्रबंध समिति के महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला ने शिरकत की। विस्तार व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक की शोध सलाहकार डॉ. रश्मि बजाज ने शिरकत की। डॉ. गुप्ता ने कहा कि महिलाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आज महिलाएं अपनी प्रतिभा के दम पर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर अपना परचम लहरा रही हैं। समारोह में डॉ. रश्मि बजाज, इंदु वर्मा, पूनम जैन, डॉ. वंदना वत्स, डॉ. कामना कौशिक, डॉ. प्रोमिला सुहाग, परिमा जैन को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. अनिल तंवर एवं महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. वंदना वत्स ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं महिला प्रकोष्ठ की सभी सदस्यों का आभार जताया।

भिवानी। बाबा मस्तनाथ विवि रोहतक की शोध सलाहकार डॉ. रश्मि बजाज को स्मृति चिन्ह भेंट करती आयोजक। फोटो :हरिभूमि

अब मेरी बेटी, मेरा गर्व का समय

विस्तार व्याख्यान में मुख्य वक्ता बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक कीशोध सलाहकार डॉ. रश्मि बजाज ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाएं शास्त्र एवं शस्त्र दोनों विधाओं में पारंगत होकर महिला सशक्तिकरण के मूलमंत्र को सार्थक करें, तभी महिला सशक्तिकरण की मुहिम को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में शास्त्र एवं शस्त्र महिला सशक्तिकरण का भविष्य है, ये समय बदलाव का है, अब मेरी बेटी मेरा गर्व का समय आ गया है। महिलाओं को चाहिए कि वो ज्ञान, गुणों, संस्कारों व समर्पण के साथ अपनी प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ें।

नारी जाति का सबसे सुन्दर रूप है मां : राजेश

भिवानी। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय नारी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नारी के सम्मान में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों में भाषण, कविता और नुक्कड़ नाटक आदि मंचन किया। विद्यालय प्राचार्या जगदीप कौर ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय नारी दिवस है, जान कर अच्छा लगा कि हमने पुरुष प्रधान समाज में एक दिन नारियों के लिए भी रखा है। पुरुष प्रधान समाज ने नारियों के नाम पर एक दिन बना के नारी जाति को सम्मान दे दिया, जहां हर पल नारी अपमानित होती है। उन्होंने कहा कि आज हर किसी के मुंह पर नारी दिवस कि बधाई देता हुआ मिल रहा है। ईश्वर की सबसे उत्कृष्ट रचना है मानव जाति और इस मानव जाति में सबसे सुन्दर कृति है "नारी"। 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी के कामांडिंग आफिसर कर्नल राजेश दहिया के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल थामस कुट्टी व सुबेदार मेजर डी गोपाला के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय नारी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। एनसीसी फर्स्ट ऑफिसर राजेश कुमार मुखी ने कहा कि नारी पुरुष के जीवन को संपूर्ण बनाती है, नारी जाति कि सबसे सुन्दर रूप होता है "मां" का। मां ममता से भरी स्नेह कि मूर्ति होती है, अपने बच्चों को उसके पिता से नौ महीने पहले से प्यार करती है, इसीलिए बच्चे के मुंह से सबसे पहला शब्द मां ही आता है।

भिवानी। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय नारी दिवस कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

स्वयंसेविकाओं को महिला अधिकारों की दी जानकारी

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का तीसरा दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के नाम रहा। दिन की शुरुआत योग व प्राणायाम से हुई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एमएनएसएस राजकीय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से प्रोफेसर पूनम जोगपाल ने स्वयंसेविकाओं को संविधान में निहित महिला अधिकारों के बारे में संपूर्ण जानकारी दी और स्वयंसेविकाओं को महिला सुरक्षा के लिए किए गए प्रयास के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आठ मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है, ये एक ऐसा दिन है जब हम महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करते हैं और लिंग समानता को बढ़ावा देते हैं और साथ वाली चुनौतियों पर विचार करते हैं। उन्होंने अपने विचारों से जागरूक व उत्साहित करते हुए कहा कि महिला हेल्पलाइन से संबंधित बहुत सारी योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। सायं कालीन सत्र में आत्मरक्षा के गुर सीखने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें स्वयंसेवकों को आत्मरक्षा के दाव पेच सिखाए। महिला शक्तिकरण एवं महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर लघु नाटकों का मंचन प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें लगभग 40 स्वयंसेविकाओं ने सहभागिता दर्ज की। कैंप का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से हुआ।

युवा पीढ़ी को सामाजिक ज्ञान की आवश्यकता

मातृशक्ति बच्चों का श्रेष्ठ चरित्र निर्माण कर नेक इंसान बनाएं: बीके ज्योति

चिकित्सकों सम्मानित करती बीके ज्योति

भिवानी। मातृशक्ति अपने बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर बनाने पर जितना अधिक ध्यान देती हैं, उतना ध्यान उन्हें अच्छे संस्कार देते हुए श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण कर नेक इंसान बनाने पर भी दें, ताकि भारत पुनः विश्व गुरु बन सके, ये उद्गार झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने व्यक्त किए। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझूकलां शाखा के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सांगवान अस्पताल में आयोजित निःशुल्क स्तन कैंसर जांच शिविर में महिलाओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि आज हम अपने बच्चों को किताबी ज्ञान के लिए ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन आज की युवा पीढ़ी को व्यावहारिक एवं सामाजिक ज्ञान की आवश्यकता है, क्योंकि आज हम शिक्षा ग्रहण कर उच्च पदों पर आसीन होते हैं, लेकिन हमारा आचरण व्यवहार बोलचाल में परिवर्तन नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि आवश्यकता है संस्कार परिवर्तन की और ये अध्यात्म के द्वारा ही संभव है। यूथी कैन संस्था से डॉ. दिव्या व डॉ. एकता सांगवान ने कहा कि महिलाओं को सशक्त करने में अपना योगदान देने के लिए नारी शक्ति को भरपूर सहयोग देना चाहिए, उन्हें समझना होगा कि नारी समाज का आधा हिस्सा है, इसलिए वो प्रत्येक सामाजिक दायित्वों के लिए भी आगे आए व अपनी भूमिका का निर्वहन निसंकोच करें। इस अवसर पर सांगवान अस्पताल के निदेशक डॉ. विनय सांगवान तथा हीलिंग हिमालय के संस्थापक प्रदीप सांगवान ने महिला शक्ति के शुभकामनाएं दी।

नारी प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिभा दिखा रहीः अशोक रंगा

चरखी दादरी। खेड़ीबुरा रोड स्थित एसडी एकेडमी परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन की अध्यक्षता संस्था संचालक अशोक रंगा ने की। इस दौरान व्यवस्थापक योगिता रंगा व प्रधान सोमवीर रंगा के मार्गदर्शन में एकेडमी में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों ने संबंधित विषय पर अपने विचारों रखें। सभी ने खास तौर पर संदेश दिया कि समाज में महिला को सशक्त करना अत्यंत ही आवश्यक है। संचालक अशोक रंगा ने कहा कि आज नारी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को दिखा रही है। महिला शक्ति ने अपने कौशल के जरिए हर एक क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर दिया है लेकिन अभी भी उनको सशक्त करने के लिए काफी काम किया जाना बाकी है, इसलिए खास तौर पर शिक्षण संस्थाएं इस विषय पर युवाओं को जागरूक कर आगे आने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान पवन मास्टर पायल आरती और मनीता मौजूद रहे।

ऐथलेटिक्स खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

1600 मीटर दौड़ में धोनी और लंबी कूद में सीमा बुशान प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

बाबा बीरबल नाथ की याद में महंत पूर्णनाथ नाथ व छोटू नाथ के पावन सानिध्य में गांव बुशान के खेल स्टेडियम में वॉलीबॉल,एथलेटिक्स व विशाल कुस्ती दंगल व मंदिर में रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीजेपी हरियाणा प्रदेश के प्रचार साहित्य निर्माण विभाग के सह प्रमुख जयसिंह शर्मा व अति विशिष्ट अतिथि कैप्टन जयसिंह कालीरामन प्रमुख समाजसेवी ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच मेहर चंद ने की। जयसिंह शर्मा ने कहा कि खेलकूद जैसी प्रतिस्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर भागलेना चाहिए। उन्होने कहा कि खेल शारीरिक व मानसिक विकास के लिए बेहतर गतिविधि है। अति विशिष्ट अतिथि कैप्टन जयसिंह कालीरामन प्रमुख समाजसेवी ने विजेता खिलाड़ियों को ईनाम वितरित कर कहा कि हर व्यक्ति को अपनी रुचिअनुसार कोई भी खेल हो खेलना चाहिए। प्रतियोगिता में अंडर 10,12,14 ,16 व 18 वर्ष आयु के लड़कियों की 100 मीटर दौड़ में प्रियान्सु, दिक्षा, मीनाक्षी, राधिका प्रथम रही। लड़कों की ओपन 100 मीटर दौड़ में हिमान्सु प्रथम, हिमान्सु शर्मा द्वितीय रहा तथा लड़कियों की ओपन 100 मीटर दौड़ में प्रथम मीनाक्षी, द्वितीय तनुजा रही।
लड़कियों के लोंग जम्प मे सीमा बुशान प्रथम,प्राची द्वतीय रही। लड़कों के लोंग जम्प में सुमित प्रथम,सुमित द्वीतीय व हिमान्सु तीसरे स्थान पर रहा।वहीं बुढ़ो की 100 मीटर दौड़ में सतपाल बदावड़ प्रथम, शमसेर द्वितीय व बचना तृतीय स्थान पर रहा। 1600 मीटर अंडर 21 लड़कों की दौड़ में प्रथम धोनी भिवानी, द्वितीय शौकीन व तृतीय प्रिन्स रहे।

तोशाम। दौड़ स्पर्धा में भाग लेते प्रतिभागी।

एनएसएस शिविर संपन्न

सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी : संजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

जिला परिषद की वाइस चेयरपर्सन सुनीता जांगड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण और निष्ठा का भाव जागृत करती है। उन्होंने कहा कि एनएसएस का मुख्य वाक्य कहता है कि मैं नही आप। इसका अर्थ है जब हम समाज की भलाई के लिए कार्य करते हैं, तभी सच्चे नागरिक बनते हैं। वे शनिवार को स्थानीय चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में एनएसएस यूनिट द्वारा आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ मुकेश चहल ने की। सुनीता जांगड़ा ने महिला सशक्तिकरण पर कहा कि दो परिवारों को संस्कारित करने वाली महिलाओं ने अपनी प्रतिभा से विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए समाज और राष्ट्र के उत्थान में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई, कल्पना चावला, मैरी कॉम और किरण बेदी जैसी महान महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत संकल्प और आत्मविश्वास से कोई भी बाधा रोकी नहीं जा सकती। समाजसेवी संजय जांगड़ा ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

61 में से 58 केस सहमति से निपटाए

राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सहमति से हुआ केसों निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिविज़न कम चेयरमैन उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण सुनील कुमार ने कहा कि स्थानीय न्यायालय परिसर में आज शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें 61 केस रखे गए थे, जिनमें से 58 केसों का निपटारा लोगों की आपसी सहमति से किया गया है। वहीं 13576137 रूपये की धनराशि की रिकवरी की गई है। इनमें बैंक रिकवरी के 04, एनआई एक्ट के 15, सिविल केस और अन्य 33 केसों में 13576137 रूपये की धनराशि केसों से सम्बन्धित लोगों की आपसी सहमति रिकवरी की गई। अतिरिक्त सिविल जज सुनील कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में समाज में भाईचारे की भावना बढती है। अतिरिक्त जज सुनील कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में किसी की हार और ना ही किसी की जीत होती। क्योंकि लोगों की आपसी सहमति से केसों निपटारा करवाया जाता है। अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिविज़न कम चेयरमैन उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण सुनील कुमार ने आगे बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालतों के कारण लोगों को बहुत लाभ पहुंच रहा है।

तोशाम। अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए।

न्यायाधीश और सीजेएम ने किया पौधरोपण

बवानीखेड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान समारोह के आयोजन पश्चात बतौर मुख्यातिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायधीश देस राज चालिया, सीजेएम पवन कुमार ने प्राचार्या संतोष भाकर, खंड फोरेस्ट अधिकारी अजय कुमार आदि संग मिलकर पौधरोपण किया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए समय समय पर पौधरोपण करना चाहिए ताकि हमारी प्रकृति को बचाया जा सके।

कुलपति व कुलसचिव ने विद्यार्थियों संग मनाई ग्रीन होली

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विवि में कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी एवं कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा ने विद्यार्थियों को गुलाल लगाकर ग्रीन होली मनाई। कुलपति प्रोफेसर धर्माणी ने कहा कि भारत की रीति रिवाज त्यौहार एवं परंपराएं विश्व में सर्वश्रेष्ठ हैं, हमारे त्यौहार एवं परंपराएं हमें आपसी प्रेम एवं एकता का संदेश देती हैं। हमें अपने त्यौहार एवं परंपराएं सद्भावना एवं सौहार्द के साथ मनाने चाहिए। कुलसचिव डॉ. भावना ने कहा कि त्योहार हमे संगठित होने का संदेश देते हैं।

एजेंट के लिए फार्म व पुलिस रिपोर्ट के लिए जुटी रही भीड़

नतीजों की तारीख समीप, उम्मीदवारों और समर्थकों के दिल की धड़कनें बढ़ी

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में नगर पालिका चुनावों के संपन्न होने पश्चात 12 मार्च को गिनती शुरू होगी और परिणाम सबके समक्ष होगा। लेकिन उससे पहले नगर पालिका चेयरमैन व पार्षदों का चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों सहित उनके समर्थकों के दिल की धड़कन तेज हो चुकी है। हालांकि नतीजों की प्रक्रिया से पहले शनिवार को उम्मीदार व उनके एजेंटों द्वारा एजेंट फार्म प्रचलित वीके फोटो स्टेट से लेकर नपा कार्यालय तो कभी पुलिस कार्यालय में देखे गए और फार्म जमा करवाए। चुनाव जीतने पश्चात चेयरमैन को विधायक की शरण जरूरी होगी। यदि भाजपा प्रत्याशी सुंदर शर्मा चेयरमैन चुने जाते हैं तो वे भाजपा को समर्पित है और विधायक ने उनके पक्ष में जी-तोड़ मेहनत की है।

बवानीखेड़ा। मतगणना के एजेंट के लिए आवेदन तैयार करवाते हुए।

प्रशासन ने बनाई पूरी योजनाः चुनाव के परिणाम के लिए प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा। किसी प्रकार की अप्रिय घटना से पहले ही पूरी तैयारियां की जा रही हैं। बताया जाता है कि अबकि बार एक पार्षद की टेबल के साथ एक ही एजेंट या उम्मीदवार मौजूद रहेगा दो नहीं हो सकते। पार्षद के लिए केवल एक ही टेबल बनाई गई है।

मतदाता चुप, स्पोर्टर भी बदल सकते हैं रंगः चुनाव में मतदाता चुपचाप नजर आए वहीं उम्मीदवार के स्पोर्टर खुलेआम अपने चहेते उम्मीदवार के साथ नजर आए। वहीं स्पोर्ट अब अपने उम्मीदवार के जीतने के कम चांस होने पर विपक्षी के पक्ष में ब्यान देते हुए नजर आते हैं कि हमने अंदरूनी खाते से उसे सपोर्ट किया।

प्रयास संगठन ने भरे सड़क मार्ग के गड्ढे, लोगों की सराहना

लोहारू। पिछले लंबे समय से शहर की सडकों पर बड़े बड़े गड्ढे बने हुए हैं और प्रशासन की अनदेखी से वाहन चालकों और पदयात्रियों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन के सदस्यों ने लोहारू के देवीलाल चौक पर बने बड़े-बड़े और गहरे गड्ढों को भरकर एक बार फिर से कार सेवा कर लोगों को अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया है। पिछले दो दिनों से चलाए जा रहे अभियान के बारे में जानकारी देते हुए संगठन के अध्यक्ष महेंद्र कथूरिया और डॉक्टर उमेद जांगड़ा ने बताया कि कई दिनों से लोहारू शहर की मुख्य सडकों पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं और हर समय इन गड्ढों के कारण सडक हादसे होने की संभावना बनी रहती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

जिला बार एसो. के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को किया सम्मानित

- न्यायपालिका व समाज के बीच सेतु है जिला बार एसोसिएशन : बड़गुज्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने शनिवार को हांसी रोड स्थित होटल में सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने शिरकत की तथा अध्यक्षता संस्था प्रधान उर्मिला सुरेश सैनी ने की।

कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान संदीप तंवर, उपप्रधान रेनूबाला सैनी, सचिव विनोद भारद्वाज, सहसचिव सोनू वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष कंचन रखेजा, ऑडिटर कन्हैयालाल व लाईब्रेरियन नीर कैलाश को पटका पहना व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। मंच संचालन अजय सभ्रवाल व मास्टर धर्मवीर यादव ने किया। इस दौरान बाबा साहेब इंटरनेशनल एजुकेशन फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने भी बार पदाधिकारियों को सम्मानित किया। मुख्यतिथि आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने कहा कि जिला बार एसोसिएशन केवल एक अधिवक्ताओं का संगठन नहीं, बल्कि ये न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं। इस अवसर पर अधिवक्ता बिन्नु किरोड़ी, अधिवक्ता देवकांत शर्मा, अधिवक्ता राजेश जांगड़ा, शिवकुमार प्रजापति, जयभगवान ठेकेदार, रणबीर भाटी, केके वर्म आदि मौजूद रहे।

भिवानी। जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित करते अतिथि।

बवानीखेड़ा। खेड़ा में भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हुए भक्तजन।

संतों की भूमि है नगर बवानी खेड़ा डेरा भृथरी बैराग

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा स्थित डेरा बाबा जरनानाथ जी के पावन धाम में वार्षिक उत्सव के रूप में जागरण और प्रसाद भंडारा का विशाल आयोजन किया गया। यह डेरा संतों के रूप में नाथ संप्रदाय 32 मान भरथरी बैराग डेरा बाबा जरनानाथ के नाम से प्रसिद्ध है। ग्रामवासियों की माने तो यह डेरा महाराजा बसदे सिंह बाबा उच्चक नाथ के द्वारा उनकी माता भवानी के नाम पर भवानी खेड़ा नगर के नाम से बसाया गया। मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है डेरा के परम सेवक रणजीत शर्मा व अर्जुन मित्तल, जयबीर तंवर ने बताया की महंत बाबा बालीनाथ ने लगभग 600 ई0 पू0 इस नगर का नाम अनूपगढ़ रखा था। इस पावन नाथ नवमी के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति भंडारा आयोजित किया गया इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं सहित अतिथि नाथ समाज के बाबा पहुंचे। जानकारी देते हुए बाबा जोगियान समाध ट्रस्ट के सचिव गजानंद कौशिक आदि मौजूद रहे।

जय हिन्द आयुर्वेद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी
भिवानी का पहला हेल्थ केयर जहां नाड़ी डिजिटल मशीन से देख कर रिपोर्ट कार्ड साथ दिया जाता है ताकि उचित इलाज किया जा सके।
- जैसे गाड़ी की सर्विस करवाते हो वैसे ही अपनी बॉडी की सर्विस करवाए ताकि बीमारी पास ही न आए।
- अपनी बीमारी को दबाए नहीं जड़ से ठीक करवाए।
- लीपोमा की गांठ बिना ऑपरेशन इलाज।
- पीत पथरी, किडनी की पथरी,पेट की सभी बीमारी का इलाज।
- शुगर का इलाज,बवासीर और भगंदर का इलाज।
- औरतों की सभी बीमारी का इलाज।
- एक ही जगह सभी थैरपी फिजियो थैरपी, नाचरोथर्पी (मिट्टी पानी से इलाज), एक्यूप्रेशर थैरपी,कप थैरपी, योगा थैरपी, और बिना किसी साइड इफेक्ट के इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सभी बीमारी का इलाज।
- सभी थेरेपी का डिप्लोमा और अनुभवी डॉक्टर द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है।
- अपने बॉस खुद बने और बेरोजगारी से मुक्ति पाए महीने का 30/50 हजार कमाए खुद थेरेपिस्ट बने।

Dr. Krishan Singh
(Naturopath) (रिटायर्ड फौजी)
BEMS, DNYS (MD), D.Ay.A, D.ma.T, D.Ay, D.P.K., DPT
मकान न. 4, पटेल नगर, सीआईडी ऑफिस के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र: 6005452863

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठठ्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें। एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ पाने मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजाकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबू मचल रही होती है। प्रकृति की यह खुशबू हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा
कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत
डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

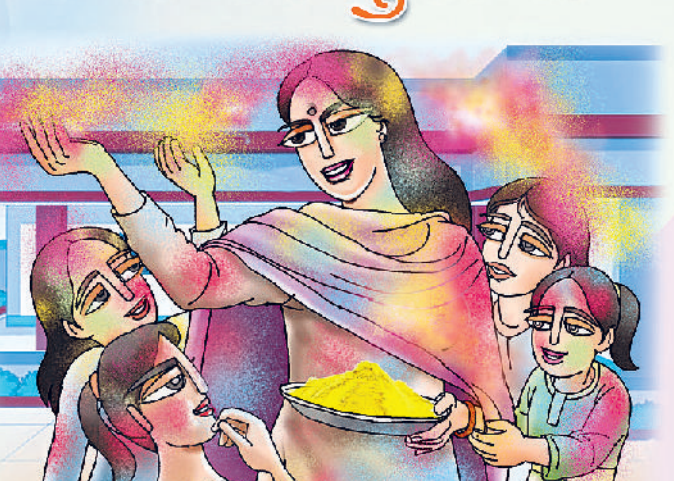

लघुकथा
यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगीली चुटकी
उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपत्ति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

रंगबाज दोहे
सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।
मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।
केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।
रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।
सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।
इत्ता-सा वैक्यूम है, बित्ता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।
शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।
कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से ग्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।
तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।
वर की लर्निंग फेलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।
बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंपराओं पर एक नजर।

आदिवासियों की होली में मोहक लोक-संस्कृति के रंग

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व में भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष बाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शामिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक इसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाला गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियों पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

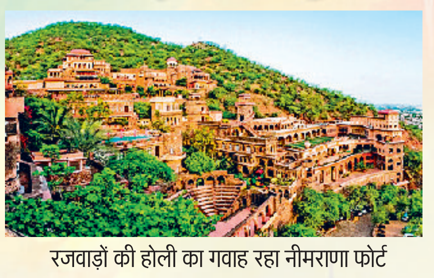

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुति: शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

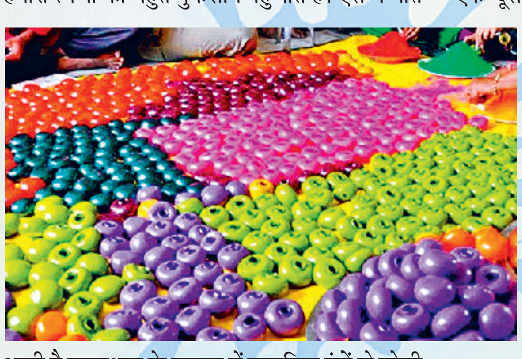

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप में मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकरों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *